बीईसीई-146

बीए सामान्य (सीबीसीएस)
(बीएजी)

सत्रीय कार्य
(2025-26)

पाठ्यक्रम कोड : बी.ई.सी.ई.–146
पाठ्यक्रम का शीर्षक : भारतीय अर्थव्यवस्था-II

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली– 110068

बीईसीई–146
भारतीय अर्थव्यवस्था-II

सत्रीय कार्य (टीएमए)
2025–26

कार्यक्रमकोडः बीएजी

पाठ्यक्रमकोड : बी.ई.सी.ई.–146

प्रिय विद्यार्थी,

जैसा कि बीएजी की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है, आप को अर्थशास्त्र के इस वैकल्पिक पाठ्यक्रम (बी.ई.सी.ई. –146) के लिए एक सत्रीय कार्य करना होगा। यह एक शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए) है और इसके 100 अंक नियत हैं।

यह महत्वपूर्ण है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। टीएमए को आपको विभिन्न श्रेणियों के प्रश्नों के उत्तर देने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यहां मूल्यांकन आपके उत्तर को व्यवस्थित, सटीक और सुसंगत तरीके से प्रस्तुत करने की आपकी क्षमता को ध्यान में रखकर किया गया है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। भाग क में 20–20 अंकों के दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं। भाग ख में 10–10 अंकों के तीन प्रश्न हैं जब कि भाग ग में आपको 15 अंकों के दो प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

जमा करना : पूर्ण किए गए सत्रीय कार्यों को आपके अध्ययन केंद्र के समन्वयक के पास जमा करना है।

सत्रीय कार्य जमा करने की अंतिम तिथि है :

30 अप्रैल, 2026	**जून 2026 की सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए**
31 अक्तूबर 2026	**दिसंबर 2026 सत्रांत परीक्षा में बैठने वाले छात्रों के लिए**

भारतीय अर्थव्यवस्था-II
शिक्षक मूल्यांकित सत्रीय कार्य (टीएमए)

पाठ्यक्रम कोडः बीईसीई-146
सत्रीय कार्य कोडः एएसटी/टीएमए/2025-26
कुल अंक : 100

सत्रीय कार्य-1

निम्नलिखित वर्णात्मक श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों मे ंदीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। 2x 20=40

1. अर्थव्यवस्था के समग्र विकास को निर्धारित करने में कृषि क्षेत्र के महत्व पर चर्चा करें। पिछले दो दशकों में भारत के समग्र सकल घरेलू उत्पाद में कृषि क्षेत्र के योगदान की प्रवृत्ति क्या रही है?

2. अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से देखने पर भारत में' सेवा क्षेत्र' की रोजगार संरचना में विशेष रूप से ध्यान देने योग्य प्रवृत्ति क्या है? भारत में 'सेवाक्षेत्र' की उच्च वृद्धि प्रवृत्तियों के आलोक में नीति के लिए प्रमुख निहितार्थों पर चर्चा करें?

सत्रीय कार्य 2

मध्यम श्रेणी के निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है। 3 x 10=3

3. आरबीआई मात्रात्मक उपायों को कब लागू करता है? यह आरबीआई द्वारा अपनाए गए 'गुणात्मक उपायों' से किस प्रकार भिन्न है?

4. निम्नलिखित में अंतर करें:

क. द्विपक्षीयता और बहुपक्षवाद

ख. औपचारिक और अनौपचारिक बाजार

5. एफ आर बी एम अधिनियम 2003 किस उद्देश्य से लागू किया गया था? भारत में राज्य सरकारों के राजकोषीय घाटे के संबंध में इस अधिनियम में एक दूरगामी उपाय क्या है?

सत्रीय कार्य 3

निम्नलिखित लघु श्रेणी के प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंक का है। 5x6 =30

6. आई एस आई की रणनीति के पीछे अंतर्निहित दर्शन क्या है? यह किस आधार पर आधारित है?

7. कृषि के व्यावसायीकरण और वस्तुकरण से क्या तात्पर्य है?

8. क्या आप इस बात से सहमत हैं कि लघु उद्योग क्षेत्र को बढ़ावा देना मुद्रास्फीति विरोधी शक्ति के रूप में कार्य करता है? कैसे?

9. भारत में सेवाक्षेत्र के विकास के लिए विनिवेश किस प्रकार सहायक है?

10. चालू खाता परिवर्तनीयता और पूंजी खाता परिवर्तनीयता के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए।